(c) if so, the reasons therefor; and

(d) the time by which a broad guage line will be laid in that region

The Deputy Minister in the Ministry of Railways (Shri Sham Nath): (a) Proposals of new lines to be taken up in the Fourth Five Year Plan have not yet been finalised.

(b) to (d). No decision on construction of a broad gauge line from Bareilly or Rampur to Kathgodam was taken in the past. Only Reconnissance Engineering and Traffic surveys for a broad gauge line from Rampur to Haldwani (near Kathgodam)—57 miles/92 KMs—were carried out in 1956-57. The line was then estimated to cost Rs. 2.84 crores, and was found to be unremunerative. It was, therefore, not included in the Third Five Year Plan. As construction of a broad gauge line to Kathgodam cannot be justified on traffic or financial grounds at present, there is no prospect of this proposal being taken up for consideration even in the Fourth Five Year Plan.

Wool Industry in hill Regions of U.P.

2965. Shri K. C. Pant: Will the Minister of **Commerce** be pleased to state:

(a) whether a demand has been made from the hill region of U.P. to start wool industry in that region;

(b) if so, whether Government are considering their demand; and

(c) if not, whether Government propose to encourage wool industry in that region which greatly suffered on account of dislocation in trade following the Chinese invasion of 1962?

The Minister of Commerce (Shri Manubhai Shah): (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) A programme for fine wool production in suitable hill areas, including those in U. P., has been formulated; under this, it is proposed to import ewes and rams of fine wool sheep for multiplication and extensive cross-breeding purposes in the rural flocks.

Looting of Passengers near Charkhari Road Station

2966. Shri Vishwa Nath Pandey:
Shri Kindar Lal:

Will the Minister of **Railways** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that two first class passengers were robbed at pistol point near Charkhari Road Railway Station of the Central Railway in the Manikpur-Jhansi fast passenger train on the 26/27th October, 1966 night; and

(b) if so, the reaction of Government thereto?

The Minister of State in the Ministry of Railways (Dr. Ram Subhag Singh) (a) Yes, but the incident took place at about 02.15 hours on 19th October, 1966.

(b) State Government Railway Police, Banda have registered a case on crime No. 45/66 under section 392 I. P. C. which is under investigation.

फिश प्लेटों का हटाया जाना

2967. श्री किन्दर लाल :
श्री विश्व नाथ पाण्डेय :

क्या **रेलवे** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अक्तूबर, 1966 को चुनरा तथा सौनपुर के बीच रेल यातायात सुबह के 10 बजे तक बन्द रहा क्योंकि उस दिन सुबह के 6 बजे नयागांव तथा परमानन्दपुर स्टेशनों के बीच एक स्थान पर कुछ फिश प्लेटें निकली हुई पाई गई और कुछ कावले गुम पाये गये; और

(ख) यदि हां तो, इस बारे में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

रेलवे मंत्रालय में राज्य-मंत्री (डा० राम सुभग सिंह): (क) सही स्थिति यह है कि हपरा और सोनपुर स्टेशनों के बीच दो घटनाएं हुई थीं जिसमें फिश प्लेटें और काबले गायब पाये गये। पहली घटना का पता 5-10-66 के 09.35 बजे और दूसरी का 20-10-66 को 06.29 बजे चला। पहली घटना के कारण किसी गाड़ी को रुकना नहीं पड़ा। लेकिन दूसरी घटना के कारण तीन गाड़ियों को क्रमशः एक घंटा 20 मिनट, एक घंटा 17 मिनट और 53 मिनट रुकना पड़ा। उसी दिन 20-10-11 को 10.30 बजे दोहरी लाइन पर गाड़ियों का आना-जाना शुरू हो गया।

(ख) सोनपुर की राज्य सरकारी रेलवे पुलिस ने दोनों मामले भारतीय रेल अधिनियम की धारा 126 के अधीन दर्ज कर लिये हैं और उनकी अभी जांच की जा रही है सहायक रेलवे अधिकारियों द्वारा संयुक्त जांच की गई है और उस परिणाम की प्रतिक्षा की जा रही है। नयागांव और परमानंदपुर के बीच पटरी पर गश्त लगाने का काम तेज कर दिया गया है।

कायनकुलम से एरणाकुलम तक बड़ी लाइन

2968. **श्री शिंकरे :**
श्री ओंकार लाल बेरवा :
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि एरणाकुलम के उन निवासियों को, जो मछली तथा रस्सियों के व्यापार से अपनी जीविका चलाते हैं, यातायत की सुविधाओं के अभाव के करण बहुत कठिनाई अनुभव हो रही है तथा वे अपने व्यापार को बढ़ाने एंव अपने जीवन स्तर को ऊंचा उठाने में असमर्थ है;

(ख) क्या यह भी सच है कि केरल में कायनकुलम तथा एरणाकुलम के बीच केवल मीटर गेज लाइने ही बिछी हुई हैं;

(ग) यदि हां, तो वहां बड़ी लाइन बिछाने के लिये सरकार ने क्या कार्यवाही की है; और

(घ) यदि नहीं, तो इस के क्या करण है?

रेलवे मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाथ): (क) और (ख). यद्यपि इस क्षेत्र के बहुत से लोग मछली और रस्सी के व्यापार से अपनी जीविका चलाते हैं, फिर भी यह कहना सही नहीं है कि परिवहन की सुविधाओं के अभाव के कारण उनके व्यापार पर बुरा असर पड़ा है। इस क्षेत्र में न केवल मीटर लाइन की रेल गाड़ियों की अच्छी सुविधा है बल्कि सड़क और जलमार्ग की सुविधाएं भी उपलब्ध है, जो इस क्षेत्र की परिवहन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिये पर्याप्त हैं।

(ग) और (घ): कोल्लम-एरणाकुलम खंड पर यातायात का घनत्व प्रतिमार्ग किलोमिटर प्रति दिन 1075 शुद्ध मीटरिक टन किलोमिटर है, जो मीटर लाइन पर अन्यत्र उपलब्ध अधिकतम घनत्व अर्थात् 7300 से बहुत कम है। लाइन क्षमता और यातायात की संभावनाओं की जांच पड़ताल से पता चला है कि वर्तमान मीटर लाइन पर पर्याप्त क्षमता उपलब्ध है। जब और जैसी जरूरत होगी, लाइन-क्षमता के छोटे-मोटे निर्माण-कार्यों के द्वारा और डीजल इंजन से गाड़ियां चला कर इसकी क्षमता को और अधिक बढ़ाया जा सकता है और निकट भविष्य में प्रत्याशित यातायात को सम्हालने में किसी तरह की कठिनाई का अनुमान नहीं है। चौथी योजना के लिये जितनी सीमित रकत मिलने की संभावन है, उसको देखते हुए उत्पादकता में